भारत सरकार
खान मंत्रालय
भारतीय खान ब्यूरो
खान नियंत्रक (पूर्वांचल) का कार्यालय

Government of India
Ministry of Mines
Indian Bureau of Mines
Office of the Controller of Mines (EZ)

ई-फाईल सं. ई-11/1/2023-आईबीएम-ईजेड दिनांक : 17.08.2026

सेवा में,
राजभाषा अधिकारी
भारतीय खान ब्यूरो
नागपुर।

विषय : कार्यशाला का आयोजन।

महोदय,

भारतीय खान ब्यूरो, कोलकाता आंचलिक कार्यालय में, दिनांक 13.08.2026 को आयोजित हुई एक दिवसीय हिन्दी कार्यशाला की रिपोर्ट कृपया आपके सूचनार्थ संलग्न पायें।

भवदीय,

संलग्नक: यथोपरि ।

Digitally signed by
Pukhraj Nenival
Date: 18-08-2026
14:02:07

(डा. पुखराज नेणिवाल)
खान नियंत्रक (पूर्वांचल)

पता - सीपी - 13, सेक्टर - 5, सॉल्टलेक सिटी, कोलकाता - 700091
Address - CP – 13, Sector – 5, Saltlake City, Kolkata - 700091
दूरभाष/Telephone : 033 23673986 / 23673618, ई – मेल/E-mail : zo.kol@ibm.gov.in

भारतीय खान ब्यूरो, कोलकाता आंचलिक कार्यालय में दिनांक 13.08.2026 को आयोजित एक दिवसीय हिन्दी कार्यशाला की रिपोर्ट

राजभाषा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन तथा कार्यालयीन कार्यों में हिन्दी के प्रयोग को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से भारतीय खान ब्यूरो, कोलकाता आंचलिक कार्यालय में दिनांक 13 अगस्त, 2026 को एक दिवसीय हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला वर्ष 2026 में आयोजित की जाने वाली छह हिन्दी कार्यशालाओं की श्रृंखला के अंतर्गत आयोजित की गई।

उद्घाटन सत्र (प्रातः 10:45 बजे)

कार्यशाला का शुभारम्भ प्रातः 10:45 बजे उद्घाटन समारोह के साथ हुआ। उद्घाटन सत्र में कार्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की तथा राजभाषा हिन्दी के संवर्धन एवं प्रोत्साहन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

प्रथम व्याख्यान -

प्रातः 11:00 बजे से अपराहन 12:15 बजे तक प्रथम व्याख्यान आयोजित किया गया, जिसमें **डॉ. पुखराज नेणिवाल, खान नियंत्रक (पूर्वांचल)** द्वारा **"विकसित भारत-2047 और युवाओं की भूमिका"** विषय पर व्याख्यान दिया गया। उन्होंने युवाओं को राष्ट्र की प्रमुख शक्ति बताते हुए नवाचार, कौशल विकास और आत्मनिर्भरता पर बल दिया। साथ ही, विकसित भारत के संकल्प को जन-जन तक पहुँचाने में हिंदी एवं भारतीय भाषाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रेखांकित की। उन्होंने युवाओं से आधुनिक ज्ञान एवं तकनीक के साथ हिंदी में भी दक्षता विकसित करने तथा कार्यालयीन एवं तकनीकी कार्यों में सरल एवं प्रभावी हिंदी के प्रयोग का आहवान किया। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का लक्ष्य केवल आर्थिक प्रगति नहीं, बल्कि शिक्षा, तकनीक, सुशासन, भाषा एवं संस्कृति के समन्वित विकास से जुड़ा है।

उनका व्याख्यान प्रेरणादायी, ज्ञानवर्धक एवं हिंदी के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने वाला रहा।

द्वितीय व्याख्यान -

अपराहन 12:15 बजे से 01:30 बजे तक द्वितीय व्याख्यान आयोजित किया गया। इस सत्र में **डॉ. सुनील कुमार झा, अधीक्षण खनन भूविज्ञानी** द्वारा **"हिंदी का स्वरूप - भाषाविज्ञान एवं भाषा शास्त्र"** विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। उन्होंने हिंदी भाषा के विकास-क्रम पर प्रकाश डालते हुए इसे आर्यभाषा परिवार की समृद्ध परंपरा से जोड़कर समझाया। उन्होंने हिंदी के स्वरूप, भाषायी विशेषताओं तथा उसके विकास में विभिन्न भाषाओं के योगदान को संक्षिप्त में प्रस्तुत किया। साथ ही, भाषाविज्ञान एवं भाषा-शास्त्र की मूल अवधारणाओं को स्पष्ट करते हुए प्रतिभागियों को हिंदी की वैज्ञानिक संरचना, समृद्ध परंपरा और निरंतर विकसित होते स्वरूप से परिचित कराया।

...2

तृतीय व्याख्यान -

भोजनावकाश के उपरांत **अपराह्न 02:30 बजे से 03:45 बजे तक** तृतीय व्याख्यान आयोजित किया गया। इस सत्र में **श्री बालु लाल जाट, सहायक खान नियंत्रक एवं हिंदी संपर्क अधिकारी** द्वारा **"तकनीकी एवं कार्यालयीन कार्यों में सरल हिंदी का प्रयोग"** विषय पर व्याख्यान दिया गया। उन्होंने कार्यालयीन पत्राचार, टिप्पण, प्रारूपण तथा तकनीकी कार्यों में सरल, स्पष्ट एवं बोधगम्य हिंदी के प्रयोग की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि कार्यालयीन हिंदी ऐसी होनी चाहिए जो प्रभावी होने के साथ-साथ सहज और सभी के लिए आसानी से समझ में आने वाली हो।

चतुर्थ एवं अंतिम व्याख्यान -

अपराह्न **03:45 बजे से सायं 05:00 बजे तक श्रीमती एकता गिरि, वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी** द्वारा **"हमारी हिंदी कितनी हिंदी है? : हिंदी में बढ़ता अंग्रेजी प्रभाव"** विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। उन्होंने दैनिक जीवन एवं कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के साथ बढ़ते अंग्रेजी शब्दों के प्रयोग पर चर्चा करते हुए भाषा के स्वाभाविक विकास तथा अनावश्यक अंग्रेजी-मिश्रण के बीच अंतर को स्पष्ट किया। उन्होंने विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से बताया कि किस प्रकार सरल एवं सहज हिंदी का प्रयोग करते हुए भी आधुनिक विषयों को प्रभावी ढंग से व्यक्त किया जा सकता है। व्याख्यान को संवादात्मक एवं रोचक बनाने के लिए प्रतिभागियों से विभिन्न उदाहरणों एवं वाक्य-प्रयोगों पर चर्चा भी की गई।

कार्यशाला के सभी सत्र ज्ञानवर्धक, उपयोगी एवं सहभागितापूर्ण रहे। विभिन्न विषयों के माध्यम से प्रतिभागियों को हिंदी भाषा के स्वरूप, विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका, सरल कार्यालयीन हिंदी तथा हिंदी में बढ़ते अंग्रेजी प्रभाव जैसे समसामयिक विषयों की जानकारी प्राप्त हुई। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के अधिकाधिक, सहज एवं प्रभावी प्रयोग को बढ़ावा देना था, जिसे प्रतिभागियों की सक्रिय भागीदारी से सफलतापूर्वक पूरा किया गया।

समापन समारोह -

सायं **05:00 बजे समापन समारोह** आयोजित किया गया। इस अवसर पर कार्यशाला के सफल आयोजन एवं उपयोगी व्याख्यानों के लिए सभी व्याख्यानदाताओं तथा प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

इस प्रकार दिनांक 13 अगस्त, 2026 को आयोजित यह हिंदी कार्यशाला सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

भारत सरकार
खान मंत्रालय
भारतीय खान ब्यूरो, कोलकाता
हिन्दी कार्यशाला
13.08.2026

हिन्दी कार्यशाला
13.08.2026

भारत सरकार
खान मंत्रालय
भारतीय खान ब्यूरो, कोलकाता
हिन्दी कार्यशाला
13.08.2026

भाषा
भाषा शब्द संस्कृत के 'भाष्' धातु से बना है जिसका अर्थ है बोलना या कहना अर्थात् भाषा वह है जिसे बोला जाए।
ने सोफिस्ट में विचार और भाषा के संबंध में लिखते हुए कहा है कि विचार और भाषाओ में थोड़ा ही अंतर है। विचार आत्मा की मूक या अध्वन्यात्मक बातचीत है परन्तु वही जब ध्वन्यात्मक होकर होठों पर प्रकट होती है तो उसे भाषा की संज्ञा देते हैं।
के अनुसार ध्वन्यात्मक शब्दों द्वारा विचारों को प्रकट करना ही भाषा है।
भाषा यादृच्छिक भाष् प्रतिकों का तंत्र है जिसके द्वारा एक सामाजिक समूह सहयोग करता है।
2

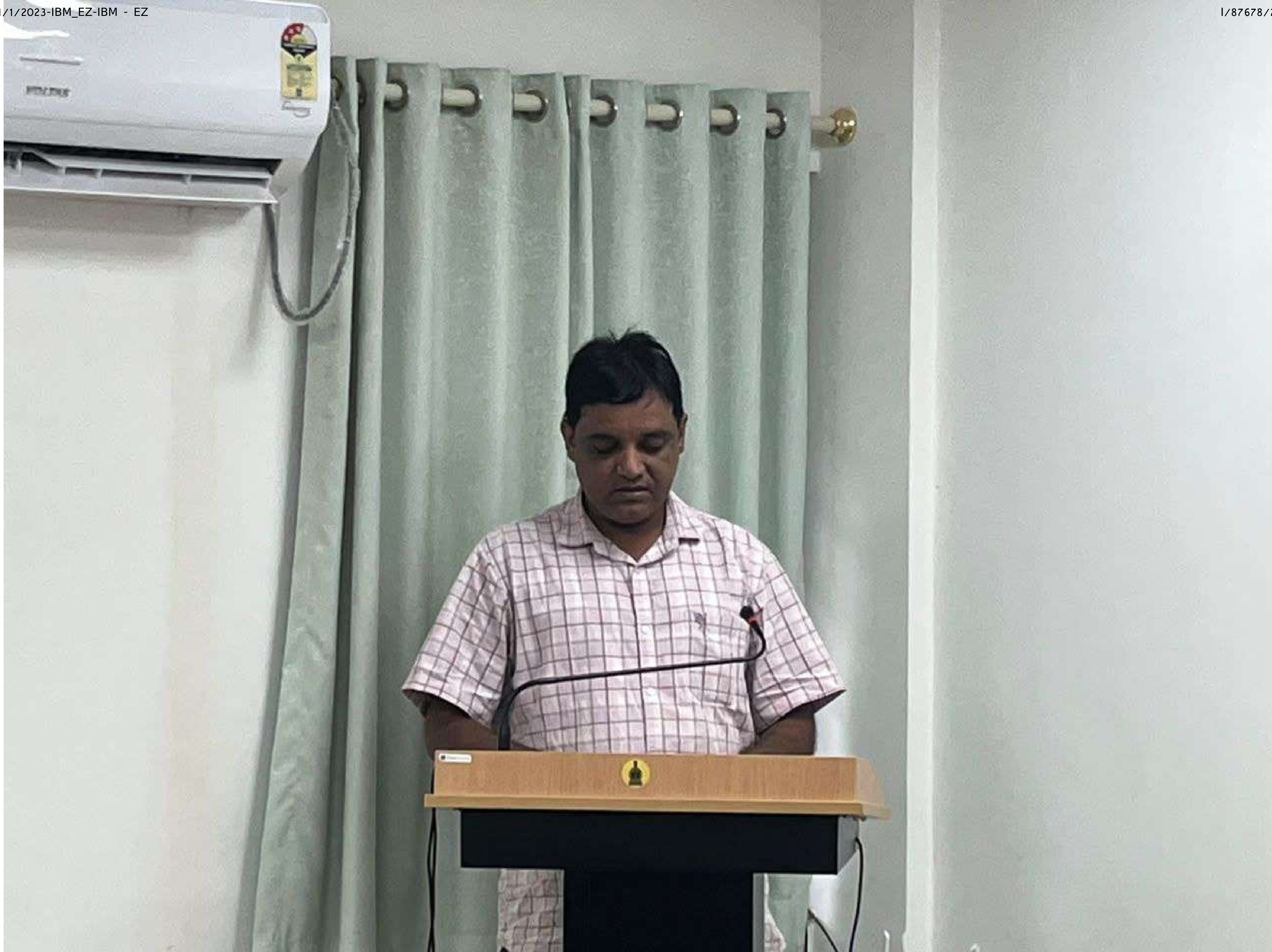

एक सवाल से शुरुआत
क्या हम हिंदी बोलते हैं या हिंग्लिश?
"आज मीटिंग में एजेंडा डिस्कस करके फाइनल ड्राफ्ट अप्रूवल के लिए फॉरवर्ड कर दें।"

हिंग्लिश क्या है?

हिंदी वाक्य-संरचना में अंग्रेजी शब्दों का अत्यधिक मिश्रण।

उदाहरण:

“आप फाइल चेक करके मुझे अपडेट कर दीजिए।”

बेहतर:

“आप फाइल की जाँच करके मुझे सूचित कर दीजिए।”

कार्यालय में प्रचलित हिंग्लिश

Meeting → बैठक

Approval → अनुमोदन

Feedback → प्रतिक्रिया

Deadline → समय-सीमा

Draft → प्रारूप

Attachment → संलग्नक

Dispatch → प्रेषण

Report → प्रतिवेदन

Update → अद्यतन